ज्योतिष और बिल गेट्स

07 December, 2007.

विश्व का नबंर वन अमीर

नाम : - बिल गेट्स
जन्म तारिख :- २८ ऑक्टोबर, १९५५
जन्म समय :- २१ : १५ रात्रि
जन्म स्थान :- सीटल, वाशिंगटन (अमेरिका)

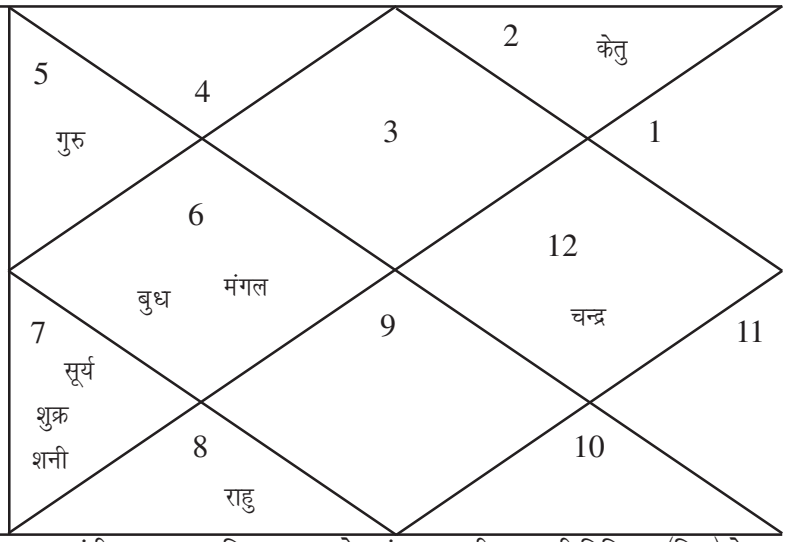

कम्प्युटर किंग, माईक्रोसॉफ्ट कपंनी का निर्माता, कम्प्युटर क्रांती का जनक, विश्व का पहले नबंर का अमीर आदमी विलियम (बिल) गेट्स आजकी तारिख में सबकी प्रेरणा का स्त्रोत हैं । एक सैकेंण्ड में सोलह हजार रुपये कमाने वाले व्यक्ति में कैसी विशेषता होगी, सोचने की बात हो जाती हैं । एक सौ पाँच देशों में अठहत्तर हजार से भी ज्यादा लोग बिल गेट्स के लिये काम करते हैं । लोग जानना चाहते हैं कि वो कैसे विश्व का पहले नबंर का अमीर बना । हम कितनी भी इसांनी दिमाग और उसकी बुध्दी की प्रशंसा करें परन्तु प्रकृति के दखल के बिगैर कोई इंसान इतना महान और कार्यकुशल नही बन सकता हैं जैसा कि बिल गेट्स बने हैं । आखिरकार दिमाग और बुध्दी भी प्रकृति की ही देन होती हैं ।

अमेरिका के वाशिंग्टन के करीब स्थित एक गाँव सीएटल में बिल गेटस का जन्म हुआ । बिल के पिता वंहा के अटार्नी अर्थात वकिल हुआ करते थें और माता वंहा स्कूलटीचर जो बाद में 'युनाईटेड वे इंटरनेशनल' की चेयरवूमैन बनी । अपनी दो बहनों के साथ यंही बिल बड़े हुऐं । अपनी रोजमर्रा की पढाई के अलावा बिल सार्वजनिक स्कूलों में जाते थे और कुछ प्रायवेट स्कूलों में भी उन्हौने पढ़ाई की, इसी के चलते तेरह साल की किशोर अवस्था में बिल ने अपने अंदर एक कम्प्युटर प्रोग्रामर की प्रतिभा विकसित कर ली और मात्र तेरह साल की उम्र में उसकी उंगलियाँ कम्प्युटर के की-बोर्ड पर दक्ष कम्प्युटर प्रोग्रामर की तरह चलने लगी और उन्हौने कम्प्युटर को चलाने का अपना बेसिक प्रोग्राम बना डाला । इसके अलावा मात्र बीस वर्ष की आयु में बिल ने अपनी माईक्रोसॉफ्ट कपंनी की स्थापना की थी । ये उनकी कुण्डली में बुध से बने 'भद्र योग' का कमाल था । उनकी कुण्डली से एसे बहुत से योग और ग्रह फल हम बता सकते हैं परन्तु जिसपर ईश्वर की कृपा हो जाये उसकी जितनी व्याख्या की जाये उतनी कम हो जाती हैं ।

प्रतिभाशाली लोग कुछ विशेष ग्रह योगों में जन्म लेते हैं और अच्छे ग्रहों की दशाऐं चले तो समय के साथ उनकी प्रतिभा और निखरती जाती हैं । भाग्यशाली बिल के साथ भी एसा ही हुआ । पुर्ण यौवनावस्था में सिंतबर १९८२ से उनकी कुण्डली अनुसार छब्बीस वर्ष तक उनके साथ शुभ ग्रहों शुक्र और सूर्य की द शाऐं चली जोकि उनकी कुण्डली में राजयोग बनाते हैं । इन्ही दशाओं के चलते बिल धनाढ्य बनते चले गये । चतुर्थ भाव में लग्नेश बुध ा 'पंच महापुरुष' योगों में एक 'भद्र योग' बना रहा हैं । इस योग में कुमारवस्था में ही प्रसिध्दी और धनलाभ होने लगता हैं जैसा कि हम बिल के जीवन में देखते हैं । चन्द्र लग्न से भी लग्नाधि योग बन रहा हैं इससे व्यक्ति शास्त्रों का जानने वाला, विद्यावान और कीर्तीवान होता हैं । बिल के विद्यावान होने और शास्त्रों को जानने की जंहा तक बात हैं तो बिल के ज्ञान का यही सबूत क्या कम हैं कि कम्प्युटर को ऑपरेट करने का बेसिक प्रोग्राम 'विन्डो' उनके दिमाग की उपज हैं । जो आज किसी भी कम्प्युटर की जान माना जाता हैं । बाजार में 'विन्डो' के विकल्प की तलाश एक जमाने से हो रही हैं परन्तु एसा 'युजर फ्रेन्डली' प्रोग्राम कोई भी कंपनी बाजार में उतार नही पायी हैं । पिछले बीस वर्षो से इस बाजार में बिल गेट्स एक छत्र राज करते आये हैं । एक और योग बिल की कुण्डली में लग्नेश बुध से बनता हैं जिसे चामर योग कहते हैं । कहा हैं " लग्नेशे तुङ्गगे केन्द्रे गुरुदृष्टे तु चामर, शुभद्वये विलग्ने वा नवमे दशमे मदे" (बृहत् पाराशर होरा शास्त्रम् अध्याय ३४- श्लोक ११) अर्थात इस योग में जन्म लेने वाला व्यक्ति राजा, राजपुज्य, विद्वान, वाक्कुशल, पण्डित, कलाविद और चिरंजीवी होता हैं । इके अलावा एसे बहुत से योग बिल की कुण्डली में हैं जो उनकी कुण्डली को सशक्त बनाते हैं और उन्हे महा धनी भी बनाते हैं ।

बिल की कुण्डली में पंचम स्थान बलवान होने से बिल योजना बनाकर कार्य करने के बहुत माहिर हैं और प्रेम की परिभाषा भी खूब जानते हैं । माइकोसॉफ्ट की एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में बिल, मिलिन्डा फ्रेन्च नामक महिला से मिलें और मिलिन्डा से उनका सात वर्षो तक प्रेम चला और फिर ये प्रेम, ०१ जनवरी, १९९४ को विवाह में परिवर्तित हो गया । अपनी अड़त्तीस वर्ष की उम्र में बिल ने मिलिन्डा से विवाह रचाया । ये समय था शुक्र महादशा में गुरु की अंतर्दशा का । बिल से नौ वर्ष छोटी मिलिन्डा फ्रेन्च, आज उनकी पत्नी हैं और उनके तीन बच्चे हैं जिनके नाम क्रमश जेनीफर, रोरी और फोबी हैं । तीनों में फोबी उनके बेटे का नाम हैं और जेनीफर तथा रोरी उनकी बेटियाँ हैं ।

दरअसल बिल की कुण्डली में पंचम भाव तो बलवान हैं ही साथ साथ इसी भाव में सूर्य का नीच भंग राजयोग भी बनता हैं जो सही मायनों में उन्हे धनाढ्य बनाता हैं । धनकुबेर बनाने वाला ये योग बहुत कम लोगों की कुण्डली में होता हैं । कुण्डली में इस एक योग के होने से ही व्यक्ति

ज्योतिष और बिल गेट्स

07 December, 2007.

करोड़पती बनता हैं । यंही पर अपनी मूल त्रिकोण राशि में शुक्र भी विराजमान हैं जिसकी दशा सिंतबर, १९८२ से बिल के जीवन में चली और सन् २००२ तक उन्हे निंरतर कामयाबी की सिढ़ीया चढ़ने में मदद करती रही । पंचम भाव ही उच्च पद पर पहुचाने वाला भाव हैं और वो हम देख रहे हैं कि बिल कैसे धनकुबेरों के उच्चतम शिखर को छु रहें हैं । आज उन्हे एसे ही संसार का सबसे धनी व्यक्ति नही कहा जाता हैं । सन् २००२ से चली नीच भंग राजयोग कारक सूर्य की दशा ने तो उनपर धन संपती की बरसात ही कर दी हैं ।

इन्ही दो ग्रहों शुक्र और सूर्य की दशाओं में बिल को 'टाईम' मैगजीन ने २००४, २००५ और २००६ के सौ महत्वपुर्ण लोगों के लिये चुना, टाईम मैगजीन ने ही २००५ में बिल, उनकी पत्नी मिलिन्दा और मशहूर गायक 'बोनो' को 'इयर ऑफ दी परसन्स' के लिये चुना । 'न्यु स्टेटसमैन' मैगजीन ने 'हीरो ऑफ दी टाइम' के लिये उन्हे आँठवें नंबर के लिये चुना । इसके अलावा भी बहुत से अवार्ड बिल और मिलिन्दा के नाम हैं । कुछ और विशेष भी हैं जैसे ' प्रिन्स ऑफ ऑस्ट्रिया अवार्ड' और 'ऑर्डर ऑफ दी एजटेक ईगल' एसे उल्लेखनीय कार्यो और अवार्डो ने बिल को रातो रात मशहुर बना दिया, धन दौलत का तो अपना प्रभाव हैं परन्तु बिल भलाई और सहयोग के लिये भी सदा तत्पर रहते हैं । विश्व स्तर पर 'एड्स' जैसी बीमारी से लड़ने वालों को बिल की आर्थिक सहायता जग प्रसिध्द हैं और ये भारत तक भी पहुंची हैं । धनवान होना अलग बात हैं परन्तु धनवान होने के साथ साथ दयावान और भलमानसता होना दूसरी बात हैं और दुर्लभ हैं । बहरहाल बिल की कुण्डली बिल को पूर्व जन्मों के फल दे रही हैं जो संस्कारों के रुप में हम बिल गेट्स में देखते हैं ।

बिल की कुण्डली में लग्न के स्वामी बुध का चतुर्थ भाव में जाना बिल को भावुक बनाता हैं । यश कारक सूर्य जब नीचभंग राजयोग से फल प्रकट करता हैं तो व्यक्तिगत भावनाओं से भी विश्वस्तर का फल दिला देता हैं । बिल इसी के प्रभाव से अपनी भावनाऐं अपने कार्यों में परिवर्तित करके विश्व स्तर पर प्रकट करते हैं । बहरहाल अब एसा लगता हैं कि शुभ दशाऐं समाप्त होने को हैं और अशुभ 'केमद्रुम योग' से भरी चन्द्र की महादशा चलने वाली हैं । चन्द्र के आगे-पीछे कोई ग्रह ना होने से केमद्रुम योग बन जाता हैं । केमद्रुम योग में व्यक्ति गरीब, धनहीन हो जाता हैं और बहुत सी परेशानियों से दो चार होता हैं । हम एसा नही कह रहे हैं कि अब बिल गेट्स गरीब हो जाने वाले हैं परन्तु ग्रहों की विशेषता होती हैं कि वे जंहा होते हैं, जिससे दृष्टि संबंध बनाते हैं, जिस ग्रह के साथ होते हैं अथवा जो भी उनकी स्थिति आदि होती हैं वो शुभ हो याँ अशुभ हो, ग्रह उन सभी का फल बारी बारी से करते हैं । केमद्रुम योग केवल एक अशुभ योग हैं परन्तु बिल की कुण्डली में तो और भी बहुत से शुभ योग हैं जो केमद्रुम योग के दबाव को आराम से झेल सकते हैं और बिल की बुनियादी शक्ति को बनाये रख सकते हैं । हालाकि चन्द्र से लग्नाधि योग भी बना हुआ हैं परन्तु कुण्डली में चन्द्र का मूल स्वभाव ही अकारक होने का हैं । इससे चन्द्र का झुकाव अशुभ फल की तरफ अधिक होगा । कार्यक्षेत्र में स्थित चन्द्र और कार्येश गुरु से इसका षडअष्टक योग दर्शाता हैं कि बिल आने वाले समय में योजनाबध्द तरिके से कार्य नही कर पायेगें और कार्यक्षेत्र में प्रतियोगिता और विरोध का सामना करने वाले हैं । एसे भी ज्योतिष शास्त्र के ताराचक्रानुसार अनुसार जीवन में छठी महादशा 'साधक' और साँतवी महादशा 'वध' दशा मानी जाती हैं । बिल के जीवन में छठी महादशा चन्द्र की होगी तथा साँतवी महदशा मंगल की होगी और दोनो ही ग्रह कुण्डली के अकारक ग्रह हैं । वैसे भी चन्द्र की महादशा में अक्सर मंगल का फल होते देखा गया हैं इस तरह आकरक चन्द्र की 'साधक' महादशा में ही अकारक मंगल की 'वध' दशा का फल होने लगे तो क्या बड़ी बात हैं । सारांश ये कि सिंतबर २००८ से चलने वाली चन्द्र की ये महादशा बिल के लिये शुभ सिध्द नही होगी ।

बहरहाल हमारी शुभकामनाऐं बिल गेट्स के साथ हैं । ईश्वर उन्हे लंबी उम्र दे और उन्हे सदा ही सक्रिय और रचनात्मक कार्य करने की शक्ति प्रदान करता रहें । आशा हैं, आने वाले समय में बिल गेट्स हमे कम्प्युटर के क्षेत्र में और भी उपलब्धियाँ हासिल करके दिखायेगें तथा उनके कार्य से दुनियाँ को उन्नति के लिये आगे बढ़ने में सहायता होगी ।